পাঠ
पाठ 24

জনসংখ্যা নিয়ে আলোচনা

প্রীতি : কাগজে পড়লাম দেশের কয়েক৾া বিশেষ বিশেষ জায়গায় জনসংখ্যা ঘড়ি বসানো হচ্ছে।

শ্যামলা : আচ্ছা, জনসংখ্যা ঘড়ি জিনিস৾া কি?

প্রীতি : কেন ি.ভি.তে দেখেন নি? এম্প মুহূর্তে ভারতে জনসংখ্যা কত তা দেখানো হয় এম্প যন্ত্রে।

শ্যামলা : বাঃ! জনসাধারণকে সচেতন করার ব্যাপারে ঐা এক৾া ভাল ব্যবস্থা। ভারতের জনসংখ্যা তো দিনে দিনে বেড়ে চলেছে। সুতরাং মানুষকে জনসংখ্যা বৃদ্ধি বিষয়ে সচেতন করা দরকার।

প্রীতি : ভারতের জনসংখ্যা অনেক বেশী। চীনের জনসংখ্যা ভারতের চেয়েও

जनसंख्या पर विचार विमर्श

प्रीति : अखबार में पढ़ा है कि देश के कुछ विशेष विशेष स्थानोंपर जनसंख्या घड़ी लगाई जा रही है।

श्यामला : अच्छा, यह जनसंख्या घड़ी है क्या चीज़?

प्रीति : क्यों क्या टी.वी. में नहीं देखी? इस क्षण भारत में कितनी जनसंख्या है -- यह इस यंत्र में दिखाया जाता है।

श्यामला : वाह! जनसाधारण को सावधान करने के काम में यह एक अच्छी व्यवस्था है। भारत की जनसंख्या तो दिनोदिन बढ़ती चली जा रही है। इसलिए लोगों को जनसंख्या वृद्धि के विषय में सावधान करना आवश्यक है।

प्रीति : भारत की जनसंख्या बहुत अधिक है। चीन की जनसंख्या भारत से

বেশী। পৃথিবীর মধ্যে চীনের জনসংখ্যা সবচেয়ে বেশী। পৃথিবীতে জনসংখ্যার দিক থেকে ভারতের স্থান দ্বিতীয়।

भी अधिक है। विश्व में चीन की जनसंख्या सबसे अधिक है। जनसंख्या की दृष्टि से विश्व में भारत का स्थान दूसरा है।

শ্যামলা : দেখুন, স্পউরোপে জনসংখ্যা কত কম এজন্য ওদের জীবনধারাও খুব উন্নত হয়ে গেছে। কোনও রাষ্ট্রের বিকাশ সেখানের জনসংখ্যার দ্বারাও প্রভাবিত হয়।

श्यामला : देखिए, यूरोप की जनसंख्या कितनी कम है! इसीलिए उनका जीवनस्तर भी बहुत उन्नत हो गया है। किसी भी राष्ट्र का विकास वहाँ की जनसंख्या से प्रभावित होता है।

প্রীতি : হ্যাঁ, তা তো বস্পে। উন্নত দেশের জনসংখ্যা বৃদ্ধির হার উন্নতিশীল দেশের তুলনায় অনেক কম। আমাদের দেশে জনসংখ্যা বৃদ্ধির কারণ অশিক্ষা ও কুসংস্কার। অন্ধবিশ্বাসের ফলস্বরূপ আর তার থেকে সৃষ্টি নিয়মনীতি।

प्रीति : हाँ, वह तो है ही। उन्नत देशों की जनसंख्या वृद्धि की दर उन्नतशील देशों की तुलना में बहुत कम है। हमारे देश में जनसंख्या वृद्धि के कारण हैं -- अशिक्षा, अंधविश्वास और उससे जन्य रूढ़ियाँ।

শ্যামলা : শিক্ষিত লোকেরাও একমাত্র পুত্র সন্তান চায়। তারা ভাবে পুত্র সন্তানস্প ভবিষ্যতে সবরকম ভাবে মা-বাবাকে সাহায্য করবে।

श्यामला : शिक्षित लोग भी संतान के रूप में केवल लड़के चाहते हैं। वे सोचते हैं पुत्र संतान ही भविष्य में सब प्रकार से माँ-बाप की सहायता करेगी।

প্রীতি : না, তা ঠিক নয়। আজকাল মেয়েরা ছেলেদের চেয়ে বাবা-মাকে ভালভাবে দেখাশোনা করে। মেয়েরা কোন- ভাবেস্প ছেলেদের

प्रीति : नहीं, यह तो ठीक नहीं है। आजकल लड़कों की अपेक्षा लड़कियाँ माँ-बाप की देखभाल अच्छी तरह करती हैं। लड़कियाँ किसी भी तरह लड़कों से कम नहीं हैं।

श्यामला : हमारे मोहल्ले के शिवबाबू को

কম নয়।

শ্যামলা : আমাদের পাড়ার শিববাবুকে দেখুন না। তিনি চার্টি কন্যা সন্তানের জনক। কেবল ছেলের আশায় এখনও পরিবার বাড়িয়ে চলেছেন।

প্রীতি : কাজেম্প জনসংখ্যা বৃদ্ধির হার কমানোর জন্য আমাদের সামাজিক দৃষ্টিভঙ্গী পাল্টানো দরকার। জনসংখ্যা বিস্ফোরণের দিকে আমাদের সকলকে আকর্ষিত করার জন্যে এম্প জনসংখ্যা ঘড়ি লাগানো হচ্ছে।

শ্যামলা : জনসংখ্যা ঘড়ি লাগিয়ে দিলেম্প কি জনসংখ্যা বিস্ফোরণ কম হয়ে যাবে?

প্রীতি : না, ঐাতো লোককে সাবধান করতে একটু সহায়তা করবে। কিন্তু জনসংখ্যা বৃদ্ধি কম করতে হলে আমাদের অনেক কিছু করতে হবে। এরজন্য আমাদের নাগরিকদের মানসিকভাবে প্রস্তুত করতে হবে।

শ্যামলা : জনসংখ্যা বৃদ্ধি কমানোর জন্য

देखिए न। वे चार कन्या संतानों के पिता हैं। केवल लड़के की आशा में अब भी परिवार बढ़ाते चले जा रहे हैं।

प्रीति : इसलिए जनसंख्या वृद्धि की दर कम करने के लिए हमें अपना सामाजिक दृष्टिकोण बदलना ज़रूरी है। जनसंख्या विस्फोटन की ओर हमारा ध्यान आकर्षित करने के लिए इस जनसंख्या घड़ी को लगाया जा रहा है।

श्यामला : क्या जनसंख्या घड़ी लगा देने मात्र से जनसंख्या विस्फोटन कम हो जाएगा?

प्रीति : नहीं, यह तो लोगों को सावधान करने में थोड़ी मदद करेगी? किंतु जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिए तो हमें बहुत कुछ करना पड़ेगा। इसके लिए हमें नागरिकों को मानसिक रूप से तैयार करना होगा।

श्यामला : जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिए शासन क्या कर रहा है?

प्रीति : शासन ने इसके लिए अनेक योजनाएँ बनाई है। उनको लागू भी किया गया है। किन्तु इन सब योजनाओं को पूर्ण रूप से सफल करने के लिए और भी कई

সরকার কি কি পরিকল্পনা করছেন?

প্রীতি : সরকার এরজন্য অনেক পরিকল্পনা করেছেন। এগুলিকে কার্যকারী করেছেন। কিন্তু এসব পরিকল্পনাকে যথার্থভাবে সফল করার জন্য আরও অনেক চেষ্টা করতে হবে।

শ্যামলা : একটু বলুন যে, আমাদের এরজন্য আর কি কি চেষ্টা করা উচিত?

প্রীতি : জনসংখ্যা বৃদ্ধি রোধ করার জন্য সরকার পরিবার পরিকল্পনার অনেক পদ্ধতি নাগরিকদের বুঝিয়েছেন। তাম্প গ্রামে গ্রামে গিয়ে তাদের উৎসাহিতও করেছেন। পরিবার পরিকল্পনা যারা গ্রহণ করবেন তাদের অনেক সুযোগ সুবিধা দেওয়া হবে বলেও ঘোষণা করা হয়েছে। দুম্প বা দুয়ের কম সংখ্যক সন্তান যাদের, তাদের অনেক সুবিধা দেওয়া হচ্ছে, অপরপক্ষে দুম্প বা তার অধিক সন্তান যাদের তারা বহু সুযোগ সুবিধা থেকে বঞ্চিত হচ্ছে।

प्रयास करने होंगे।

श्यामला : जरा बताइए कि, हमें इसके लिए और कौन-कौन से प्रयास करना चाहिए?

प्रीति : जनसंख्या वृद्धि पर अंकुश लगाने के लिए शासन ने परिवार नियोजन के कई तरीके नागरिकों को समझाए हैं। इसके लिए गाँव-गाँव जाकर लोगों को प्रेरित भी किया गया है। परिवार-नियोजन अपनाने वालों को अनेक प्रकार की सुविधाएँ देने की घोषणाएँ भी की गई हैं। दो या दो से कम बच्चे पैदा करनेवालों को अनेक प्रकार के सुविधाएँ मिल रही हैं। इसके विपरीत दो से अधिक बच्चे पैदा करने वाले परिवार अनेक सुविधाओं से वंचित हैं।

श्यामला : इतना सब करने के बाद भी जनसंख्या वृद्धि पर रोक क्यों नहीं लग पाई?

प्रीति : जैसा कि, मैंने पहले भी कहा है कि, इसके मूल कारण अशिक्षण, धार्मिक रूढ़ियाँ तथा हमारी लापरवाही हैं। इसके लिए शासन की ओर से सभी शिक्षित तथा अशिक्षित लोगों को लगातार जागरुक करते रहना

শ্যামলা : এত সব করার পরেও জনসংখ্যা বৃদ্ধির হার কমছে না কেন?

প্রীতি : আমি প্রথমেস্প বলেছি যে, এর মূল কারণস্প হল অশিক্ষা, ধর্ম বিশ্বাস থেকে সৃষ্টি নানান ভ্রান্ত বিশ্বাস এবং আমাদের অসচেতনতা। এরজন্য সরকারকেস্প প্রয়াস করতে হবে, শিক্ষিত অশিক্ষিত সবাস্পকে সচেতন করতে হবে। শুধু তাস্প নয়, আমাদেরকেও আমাদের ভবিষ্যৎ বংশধরদের বোঝাতে হবে জনসংখ্যা বৃদ্ধির ফলে কী ক্ষতি হবে । তাদের পরিবার ছোৗ করার জন্য উৎসাহিত করতে হবে।

होगा। सिर्फ़ यही नहीं, हमें अपनी नई पीढ़ी को भी जनसंख्या वृद्धि की हानियाँ समझाकर उन्हें सीमित परिवार योजना अपनाने के लिए प्रेरित करना होगा।

শব্দার্থ

শব্দ	अर्थ
দেশের	देश के
মুহূর্তে	क्षण में
যন্ত্রে	यंत्र में
সচেতন	सतर्क, जागरुक
বৃদ্ধি	बढ़ना

আয়তন	क्षेत्र
স্থান	स्थान, जगह
অথচ	तथापि
উন্নত	उन्नत
প্রভাবিত	प्रभावित
উন্নতশীল	प्रगतिशील, उन्नतशील

অন্ধবিশ্বাস	अंधविश्वास
শিক্ষিত	शिक्षित
দেখাশোনা	देखभाल
দৃষ্টিভঙ্গী	दृष्टिकोण
পুত্র	पुत्र
জনবিস্ফোরণ	जनसंख्या विस्फोटन
আকর্ষিত	आकर्षित
মেয়েরা	लड़कियाँ
পরিকল্পনা	योजना
কার্যকারী	लागू करना
পাড়ার	मोहल्ले का
নাগরিক	नागरिक
জনক	पिता
উৎসাহিত	उत्साहित
গ্রাম	गाँव
বঞ্চিত	वंचित
ভ্রান্ত	भ्रांति
প্রয়াস	प्रयास
	धर्म जन्य रूढ़ियाँ

ধর্মবিশ্বাস

অভ্যাস

I. নীচে দেওয়া শব্দগুলি থেকে সঠিক শব্দ বেছে নিয়ে বাক্য পূর্ণ করুন।

(তেমন, তা, তারা, সে, তখন)

1. যে আমার কাজ করে, __________ আমার ভাম্প।
2. যখন আমি ডাকব, ______________ আপনি আসবেন।
3. যা আমি পড়ি, __________ মনে রাখি।
4. যেমন কাজ করবেন, ____________ ফল পাবেন।
5. যারা আসবে, ____________ প্রসাদ পাবে।

II. নীচের বাক্যগুলিতে দাগ দেওয়া শব্দের বদলে বন্ধনীতে দেওয়া সর্বনাম ব্যবহার করে বাক্য পরিবর্তন করুন।

উদাহরণ : <u>তিনি</u> কাজ করেন। (সে)

সে কাজ করে।

1. <u>আপনি</u> ছেলেকে কোথায় পড়াচ্ছেন? (তুমি)

2. মা ছেলেকে ঘুম পাড়ালেন। (আমি)
3. রমা নাচ শেখায়। (উনি)
4. আমি মালীকে দিয়ে কাজ করাম্প। (সে)
5. আব্দুল গরুর গাড়ী চালায়। (সে)

III. উদাহরণ অনুযায়ী বাক্যগুলি পরিবর্তন করুন।

উদাহরণ :আমি যাম্প।

আমাকে যেতে হবে।

1. সে বাজারে যায়।
2. আমি স্কুলে পড়াম্প।
3. রমা দোকানে যাবে।
4. রমেশবাবু দিল্লী গেলেন।
5. সে সাঁতার কাটে।

IV. নঞর্থক বাক্যে পরিণত করুন।

1. আমাকে দিল্লী যেতে হবে।
2. রহিম রিক্সা চালায়।
3. রবিবাবু আমার ছেলেকে পড়ান।
4. আমার মেয়ে গান শেখে।
5. তাকে কাজ্টা করতে হবে।

V. উপযুক্ত শব্দ দিয়ে বাক্যগুলি পূর্ণ করুন।

1. সরোজবাবু যা ________________ তা পাবেন না।

2. মমতাকে দোকানে __________ হবে।

3. যেখানে যাবেন __________ এস্প জিনিস পাবেন।

4. মন্দিরা গল্প __________ ভালবাসে।

5. আপনাকে কি আজ __________ হবে?

পড়ে বুঝুন

দালালের কবলে   दलाल के क़ब्ज़े में

স্পন্দ্র নতুন চাকরি পেয়ে গ্রাম থেকে প্রথমে কোলকাতায় এসেছে। কোলকাতায় আসার পরস্প তার জীবনের নতুন অধ্যায় শুরু হয়েছে এক এর্কি নতুন অভিজ্ঞতার মাধ্যমে। শিয়ালদহ স্টেশনে নেমেস্প সে বুঝতে পারল এবারস্প তার আসল জীবনযুদ্ধ শুরু হল। স্টেশনের চত্বরে শুধু লোক আর লোক। যেদিকে তাকায় শুধু নানা ধরণের ব্যস্ত মানুষের ভিড়, কোথাও পা ফেলার জায়গা নেস্প। সবাস্প সবাস্পকে ধাক্কা দিয়ে এগিয়ে যেতে চাস্পছে। স্পন্দ্র মনে মনে ভাবছে, এত মানুষ! এত ভিড়! সে যেন সেস্প ভিড়ে হারিয়েস্প যাবে। চারিদিকের ভিড়ে সে যেন নিজেকেস্প হারিয়ে ফেলবে। যাস্প হোক, বহু কষ্টে সে ভিড় ঠেলে বেরিয়ে এল স্টেশন থেকে। স্টেশন থেকে বেরিয়ে এসেও সে হতবাক! কোলকাতার জনতার ঢল, গাড়ীর ধোঁয়া, বাড়ী স্পত্যাদি দেখে। শিয়ালদহ স্টেশনের বাস্পরেও সেস্প বহু লোকের ভিড় আর তার সাথে প্রচুর নানা ধরণের গাড়ী, বাস, রিক্সা ছুটে চলছে। তার মধ্যে দিয়েস্প মানুষ এদিক-ওদিক করে গাড়ী বাঁচিয়ে, নিজেকে বাঁচিয়ে নিয়ে চলেছে। এর মধ্যেস্প স্পন্দ্র অনুভব করল, কেউ তাকে পিছন দিক থেকে ডাকছে। সে তার ভারী সুটকেশ, ব্যাগ নিয়ে হিমসিম খেয়ে যচ্ছিল, তবুও সে ভিড় সামলে পিছনের দিকে তাকালো, দেখল একজন নোংরা জামা প্যান্ট পরা অল্প বয়সী এর্কি ছেলে, তাকে ডাকছে -- দাদা।

স্পন্দ্র অবাক হয়ে জিজ্ঞাসা করল -- আমাকে বলছেন?

ছেলেৌি বলল -- হ্যাঁ আমি দেবু! আপনি কোলকাতায় নতুন এসেছেন তো?

স্পন্দ্র : হ্যাঁ

দেবু : কোথায় থাকবেন? থাকার জায়গা ঠিক আছে কিছু?

স্পন্দ্র : না, কিছু ঠিক করিনি।

দেবু : আপনি চিন্তা করবেন না। আমি আপনাকে থাকার জায়গার সন্ধান দিতে পারি। আপনি আমার সঙ্গে আসুন।

স্পন্দ্র : কিন্তু, আমি আপনার সাথে কেন যাব? আমি তো আপনাকে চিনিস্প না।

দেবু : না ভয় পাবেন না। আমি বাড়ির এবং হোেলের দালাল!

স্পন্দ্র : ও আচ্ছা! কতদূরে বাড়ি?

দেবু : কাছেস্প, আপনি আসুন। খুব ভালো বাড়ি, দক্ষিণ-পূর্ব খোলা বড় বড় জানলা, দুো বড় ঘর, রান্নাঘর, বাথরুম সব আছে। স্পন্দ্র খানিকা নিশ্চিন্ত হলো। যাক থাকার চিন্তা দূর হলো। সে দেবুর কথায় খুশী হয়ে ওর সাথে যেতে লাগল। দেবু তাড়াতাড়ি ওকে রাস্তা পার করে নিয়ে গেল অন্য ফুপাতে। সেখানে গিয়ে বেশ কিছুা হাঁার পর একা ছোট্ট নোংরা গলিতে নিয়ে গিয়ে ঢুকল। স্পন্দ্রের এবার কেমন যেন অস্বস্তি লাগতে শুরু করল। চারিদিকে নোংরা, প্রচুর লোকের ভিড়, সংকীর্ণ গলিা। দেবু স্পন্দ্রকে বলল যে আরো কিছুা পথ হাঁতে হবে। স্পন্দ্র এবার খুব আপত্তি জানালো। দেবুও নাছোড়বান্দা, তর্কাতর্কি করতে করতেস্প দেবু স্পন্দ্রকে একি বহু পুরোনো বাড়িতে নিয়ে গিয়ে তুলল। বাড়িার প্রতিি ঘরেস্প একি একি করে পরিবার বসবাস করছে এবং তারাও প্রচণ্ড ঝগড়া, চিৎকার করছে। প্রচণ্ড নোংরা, বাড়িার সামনেস্প একা কল, সেখানেও সবাস্প জল নিয়ে ঝগড়া করছে। বাড়ি এবং তার

পরিবেশ্টাম্প যেন প্রচণ্ড বিশ্রী। দেবু তাকে একটা ঘর দেখাল। ঘরটি খুব পুরনো, ভাঙাচোরা। স্পন্দ্রের খুব খারাপ লাগল। সে রাগ করে বাম্পরে বেড়িয়ে এল তখন দেবু এবং আরো কয়েকজন ছেলে চলে এল। ছোরা দেখিয়ে বলল -- যা আছে বার কর। স্পন্দ্র হতবাক হয়ে গেল। এমন সময় একটা পুলিসের গাড়ী এল। সেম্প গাড়ী দেখে দেবু আর তার বন্ধুরা সঙ্গে সঙ্গে এদিক ওদিকে দৌড়াতে শুরু করল কিন্তু পুলিস অত্যন্ত তৎপরতায় তাদের ধরে এনে গাড়িতে তুলল এবং স্পন্দ্রকে অফিসার জিজ্ঞাসা করল সমস্ত ঘটনা কী হয়েছিল। স্পন্দ্র সবিস্তারে স্টেশনে নামার পর থেকে পুলিস আসার আগে পর্যন্ত সব ঘটনার বিবরণ দিল। পুলিস অফিসার বললেন -- আমরা এম্প সময় পেট্রোলিং-এ আসায় আপনি বেঁচে গেলেন। নাহলে আপনার খুব ক্ষতি হত। চলুন আপনার জন্য এবার সত্যিম্প থাকার ব্যবস্থা করতে পারি কিনা দেখি!

স্পন্দ্র : আমি তো ছেলেটিকে দরিদ্র ভদ্র বলে মনে করেছিলাম।

অফিসার : হ্যাঁ, এরা ভালো ঘরেরম্প ছেলে এবং সবাম্প পড়াশোনাও জানে। কিন্তু সমস্যা হল -- বর্তমানে এত জনসংখ্যা বৃদ্ধি পাচ্ছে। এর জন্যম্প এরা শিক্ষিত হয়েও চাকরি পাচ্ছে না, তাম্প বাধ্য হয়ে অন্যপথে উপার্জন করার চেষ্টা করছে।

শুধু তাম্প নয়, অনেক ভাম্পবোন হওয়ায় মা-বাবাও তাদের ঠিকমত যত্ন নিতে পারে না, তাম্প তারা বিপথে চলে যায়। আবার এম্প জনসংখ্যা বৃদ্ধির জন্য সুস্থ স্বাভাবিকভাবে পরিবেশের সমতা নষ্ট হচ্ছে। সবাম্প একসাথে ছোট নোংরা জায়গায় থাকতে বাধ্য হচ্ছে।

স্পন্দ্র : হ্যাঁ, এখানেও সবাম্প কষ্ট করেম্প আছে দেখছি।

অফিসার : হ্যাঁ, শুধু থাকা নয়, জলের সমস্যাও যে আজকাল এত হচ্ছে তার কারণও জনসংখ্যা বিস্ফোরণ।

স্পন্দ্র : সেটা কি করে?

অফিসার : জনসংখ্যা বৃদ্ধি পাচ্ছে। বড় শহর, শহরতলিতে থাকার জন্য সবাম্প বহুতল বাড়ি তৈরী করছে ফলে জলতল নেমে যাচ্ছে। তাছাড়া খাদ্যের অভাব তো আছেম্প।

স্পন্দ্র : হ্যাঁ, তবুও মানুষ এখনও সচেতন হচ্ছে না।

অফিসার : তার জন্য আমাদের দেশের অশিক্ষাম্প দায়ী।

স্পন্দ্র : দয়া করে আমাকে থাকার একটা জায়গা দেখে দিন!

শব্দার্থ

শব্দ	অর্থ
অধ্যায়	अध्याय
অভিজ্ঞতার	अनुभव की
মাধ্যম	माध्यम
জীবনযুদ্ধ	जीवन संग्राम
চত্বর	प्लेटफॉर्म
ব্যস্ত	व्यस्त
ভিড়	भीड़
কষ্টে	कष्ट में, मुसीबत में
জনতার	जनता के, आम लोगों के
সামলে	संभालना

নোংরা	गंदा
থাকার	रहने का
জায়গার	जगह में
সন্ধান	खोज, अनुसंधान
দালাল	दलाल
খানিকটা	थोड़ा
অন্য	अन्य
ছোট্ট	बहुत छोटा
অস্বস্তি	दुविधा
সংকীর্ণ	संकीर्ण, संकरा
আপত্তি	आपत्ति, एतराज
নাছোড়বান্দা	जिद्दी
তর্কাতর্কি	तर्क-वितर्क
পরিবার	परिवार
বসবাস	रहना
ঝগড়া	झगड़ा
বিশ্রী	बुरा
তৎপরতায়	फौरन
সমস্ত	समस्त, सभी
ঘটনা	घटना
সবিস্তারে	सविस्तार में
বিবরণ	विवरण
পেট্রোলিং	गश्त करना
	दरिद्र

দরিদ্র	भद्र
ভদ্র	कमाना
উপার্জন	देखरेख
যত্ন	कुमार्ग में
বিপথে	

অভ্যাস

I. নীচে দেওয়া প্রশ্নের উত্তর লিখুন।

1. স্পন্দ্র কোন স্টেশনে নেমেছিল?
2. স্পন্দ্রকে পেছন দিক থেকে যে ব্যক্তি ডাকছিল, তার বিবরণ দিন।
3. দেবু স্পন্দ্রকে কি আশ্বাস দিয়েছিল?
4. দেবু স্পন্দ্রকে যে বাড়িতে নিয়ে গিয়েছিল সেস্প বাড়ি্রি পরিবেশ কেমন ছিল?
5. দেবু আর তার বন্ধুরা স্পন্দ্রকে কি বলেছিল?
6. পুলিশ স্পন্দ্রকে কিভাবে বাঁচিয়ে ছিল?
7. জনসংখ্যা বৃদ্ধির ফলস্বরূপ কি কি সমস্যা দেখা যায়?

II. অনুচ্ছেদর্টি পড়ে এমন সার্তি শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলির অর্থ নিচে বন্ধনীতে দেওয়া আছে।

আম জনতার মধ্যে নিজেকে পরিচিত করতে হলে জীবনযুদ্ধের প্রস্তুতির জন্য তৎপর হতে হয়। প্রথম দিকেস্প কোনো লক্ষ্য সন্ধান করে নিয়ে, স্থির ভাবে ঐ দিকেস্প এগিয়ে যেতে হবে। জীবনে চলার পথে বহু বিশ্রী ঘর্টনার সম্মুখীন হতে হয়। তাস্প নিয়ে অযথা চিন্তা করে অপরের সাথে ঝগড়া বিবাদ করা বা অপরের উপর নিজের হতাশার কোপ

প্রদান না করাম্প ভালো। জীবনের সকল রকম ভালোর সাথেম্প খারাপকে গ্রহণ করতে আপত্তি করলে চলবে না।

(জীবনযাপনের জন্য সংগ্রাম, লোক সমাবেশ, খোঁজ, অরাজী, কলহ, বাজে/কুৎসিৎ, দ্রুততার সঙ্গে।)

III. অনুচ্ছের্দিট পড়ে এমন পাঁচর্টি জোড়া শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলির বিপরীতার্থক শব্দ নিচে বন্ধনীতে দেওয়া আছে।

জীবন তার নিজের মতম্প চলে। জীবনে চলার পথে অনেক রকম অভিজ্ঞতা হয়। জীবন কখনও সংকীর্ণ ছোট্ট একর্টা পথ ধরে, কখনও বা বিস্তৃত পথে চলে। জীবন সর্বদা নিশ্চিত রূপে নাও যেতে পারে। যে কোনো ব্যক্তিরম্প জীবনের গতি সবিস্তারে বর্ণনা করলে তা একর্টি সুন্দর উপন্যাস হয়ে যাবে।

(অনভিজ্ঞতা, অনিশ্চিত, বিস্তৃত, বড়, সংক্ষেপে)

IV. হিন্দিতে অনুবাদ করুন।

মাননীয়,

সম্পাদক মহাশয়

সত্যবাদী সংবাদপত্র

কোলকাতা -- ৭০০ ০০১

এতদ্বারা আপনাকে জানাচ্ছি যে, আমি শ্রী সুবল দে, একজন সরকারী কর্মচারী, কোলকাতা শহরেম্প কর্মরত প্রায় পাঁচবছর। আমার পৈতৃক বাসস্থানও এখান থেকে প্রায় ২১৬ কি.মি. দূরে, সেখানে আমার অসুস্থ বৃদ্ধ পিতামাতা ও স্ত্রী সন্তান থাকেন। আমি ছাড়া ওদের আর কোনো সহায়ক নেম্প। সেজন্য আমি তাদের এখানে আনার ব্যবস্থা করার জন্য সরকারী

আবাসনের জন্য আবেদন করি। অথচ আজ প্রায় তিনবছর হলো, আমার কোনো ব্যবস্থা হলো না। আমার পরেও যারা আবেদন করেছিল তাদের সবাম্প প্রায় আবাসন পেয়ে গেছে। কিন্তু আমি এখনও পাম্পনি। অথচ আমার একৗ বাসস্থানের অত্যন্ত দরকার।

যদিও জানি, অতিরিক্ত জনসংখ্যা বৃদ্ধির জন্যম্প আজ আমাদের এম্প বাসস্থান জনিত সমস্যার সম্মুখীন হতে হচ্ছে। কিছু অসৎ মানুষ এর সুযোগও নিচ্ছে।

সেম্প জন্যম্প আমি সংবাদপত্রের মাধ্যমেম্প জনতার দৃষ্টি আকর্ষণ করতে চাম্পছি। এম্প সমস্যা শুধু মাত্র আমার একার নয়। এখনও যদি সরকার ও জনতা সজাগ না হয় তবে ভবিষ্যতে এম্প জনসংখ্যা বৃদ্ধির কারণ আরো বড় সমস্যা হবে।

সরকার দয়া করে কোনো পদক্ষেপ নিন।

১১, রামকমল স্ট্রী সুবল দে

খিদিরপুর

কোলকাতা -- ২৩

V. বাংলায় অনুবাদ করুন।

आजकल हम जिन भव्य अट्टालिकाओं को देख रहे हैं इनकी विकास यात्रा बहुत लंबी और रोचक है।

एक समय था जब आदि मानव अन्य पशुओं की भाति वनों में ही रहता था। उसके पास न तो रहने के लिए किसी प्रकार का घर था और न ही पहनने के लिए वस्त्र। उसके पास घर और वस्त्रों की कल्पना भी नहीं थी। उसने न कभी घर बनाने का विचार किया और न ही घर बसाने का। वह अन्य लोगों के साथ वन में विचरण करता था। इस प्रकार झुंडों में रहने के पीछे परस्पर सुरक्षा का भाव भी था। ये झुंड कभी एक जगह तो कभी दूसरी जगह आते-जाते रहते थे। स्थाई बसावट नहीं करते थे। जहाँ रात होती वहीं रुक जाते। कभी पेड़ों के नीचे तो कभी पेड़ों के ऊपर, कभी झाड़ियाँ की जुटमुट में तो कभी किसी पहाड़ के छज्जे अथवा गुफा में।

झुंडों में साथ साथ रहते-रहते उसमें सामुदायिक भावना का विकास होता गया। वे एक स्थान पर रुकने लगे। दिन भर वन में घूमकर शिकार करते थे और रात को एक निर्धारित स्थान पर लौट आते थे। एक स्थान पर मुकाम करने के कारण उन्होंने शुरु-शुरु में बिना छत की झोंपड़ियाँ बनाना शुरु की। कुछ समय बाद उन्होंने उन झोंपड़ियों पर छत बनाना भी सीख लिया। जंगल की लकड़ियाँ और घास-पत्तों से ये झोंपड़ियाँ बन जाती थीं।

'आवश्यकता आविष्कार की जननी होती है।' इसी आवश्यकता के होते मनुष्य अपनी झोंपड़ियों का निर्माण मिट्टी तथा जंगल के छोटे-छोटे पत्थरों आदि को चुनकर करने लगे। उनका सामुदायिक जीवन और अधिक विकसित हुआ। वे अपना-अपना परिवार बनाने लगे। वह झोंपड़ियाँ को साथ साथ बसाकर रहने लगे। इसी को हम वर्तमान गाँव या बस्ती का प्रारंभिक रूप कह सकते हैं।

यही झोंपड़ियाँ धीरे-धीरे मज़बूत और सुंदर आकार लेती गईं। उन्हीं झोंपड़ियों को कुटिया भी कहा जाता था। झोंपड़ियों की दीवारें बाँस-बल्ली के अलावा लोहे के चद्दर की बनाई जाने लगी। धीरे-धीरे इन में सुधार होता गया। दीवारें कच्ची पक्की ईंटों की बनने लगीं। छतें भी सपाट पत्थरों से ढकी जाने लगीं। मोहनजोदड़ो और हरप्पा की खुदाई में छोटी-छोटी कच्ची-पक्की ईंटें मिली हैं। इन ईंटों का उपयोग रेत, मिट्टी और चूने के योग से दीवारें, छतें और फर्श बनाने में होता था। नगर बसाहट की योजना में भी तब तक बहुत विकास हो चुका था।

भवन निर्माण की इस यात्रा को वर्तमान की उन्नत भवन शिल्प तक पहुँचते-पहुँचते हज़ारों वर्ष लगे। भारत में बाहर से अनेक जातियाँ आईं। तबतक हमारी भवन वास्तुशिल्प पर्याप्त रूप से विकसित हो चुकी थी। अन्य देशों से आने वाली जातियों से भी हमने उनका वास्तुशिल्प ज्ञान प्राप्त किया। इस प्रकार भारत का भवन वास्तुशिल्प और अधिक विकसित हुआ।

आज भारत में भवन वास्तुशिल्प ने बहुत विकास कर लिया है। आज भवन रेत, सीमेंट, पक्की ईंटों और घड़े हुए पत्थरों तथा लोहे के योग से बनाए जा रहे हैं। महानगरों में बनने वाली बहुमंजिला इमारतें एवं सुंदर भवनों के रूप में ही नहीं पूरे भारत के गाँवों और कस्बों में भी अब सर्वसुविधा संपन्न, सुंदर एवं मजबूत भवनों का निर्माण हो रहा है।

I. জনসংখ্যা শিক্ষার বিষয়ে আপনার মতামত জানিয়ে একটি অনুচ্ছেদ লিখুন।